



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 207]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 17, 2007/आश्विन 25, 1929

No. 207]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 17, 2007/ASVINA 25, 1929

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 17 अक्टूबर, 2007

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(प्रतिभूति बाजारों में सहयुक्त व्यक्तियों का प्रमाणीकरण)

विनियम, 2007

फा. सं. 11/एल सी/जी एन/2007/4567.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 11, 12 और 19 के साथ पठित धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय I

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति बाजारों में सहयुक्त व्यक्तियों का प्रमाणीकरण) विनियम, 2007 कहा जा सकेगा।

(2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ.—(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “अधिनियम” से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है;

(ख) “अधिकर्ता” से कोई वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो कमीशन या किसी अन्य प्रतिफल के लिए निर्गमकर्ता या वितरक की ओर से प्रतिभूतियों के विक्रय या वितरण के क्रियाकलाप में लगा है;

(ग) “सहयुक्त व्यक्ति” से प्रतिभूतियों के कारबार में लगा हुआ मध्यवर्ती का प्रधान-व्यक्ति या कर्मचारी अथवा

अधिकर्ता अथवा वितरक अथवा अन्य प्रकृत व्यक्ति अभिप्रेत है और जिसमें भारत में कार्य कर रहे विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता (निवेशक) या विदेशी जोखिम पूँजी विनिधानकर्ता (निवेशक) का कर्मचारी सम्मिलित है;

(घ) “बोर्ड” से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है;

(ङ) “प्रमाणपत्र” से इन विनियमों के अनुसार राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान द्वारा प्रदान किया गया प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;

(च) “सतत् व्यावसायिक शिक्षा” से कोई पाठ्यक्रम, कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम, क्रियाकलाप, सम्मेलन, संगोष्ठी अभिप्रेत है जिसे प्रतिभूतियों, शासन तथा सदाचार के क्षेत्रों में सहयुक्त व्यक्तियों के ज्ञान, कौशल तथा व्यावसायिक सक्षमता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान द्वारा प्रत्यायित या अनुमोदित किया गया हो;

(छ) “वितरक” से प्रतिभूतियों के विक्रय या वितरण के प्रयोजन के लिए मध्यवर्ती या निर्गमकर्ता द्वारा नियुक्त कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;

(ज) “मध्यवर्ती” से अधिनियम की धारा 11 या 12 के अधीन रजिस्ट्रीकृत सत्ता (एंटिटी) अभिप्रेत है और जिसमें स्टॉक एक्सचेंज या स्व-विनियामक संगठन से कोई सदस्यता या अनुमोदन अभिप्राप्त करने के लिए अपेक्षित कोई व्यक्ति सम्मिलित है;

(झ) “निर्गमकर्ता” से कंपनी या पारस्परिक निधि या सामूहिक विनिधान (निवेश) स्कीम अभिप्रेत है जिसने बोर्ड द्वारा बनाए गए सुसंगत विनियमों या मार्गदर्शक सिद्धांतों के

अनुसार जनता को प्रतिभूतियाँ निर्गमित की हैं या जो इन्हें निर्गमित करने का प्रस्ताव करती है और जिसमें बोर्ड द्वारा बनाए गए सुसंगत विनियमों या मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन रजिस्ट्रीकृत जोखिम पूँजी निधि भी सम्मिलित है;

(ज) "राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान" से बोर्ड द्वारा स्थापित राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान अभिप्रेत है;

(ट) "प्रधान-व्यक्ति" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जो मध्यवर्ती के प्रतिभूतियों के कारबार जिसमें पर्यवेक्षण, याचना करना, कारबार संचालन सम्मिलित है के प्रबंध में सक्रिय रूप से लगे हैं, और जिसमें सम्मिलित हैं :

- (1) एकमात्र स्वत्वधारी
- (2) प्रबंध भागीदार और
- (3) पूर्णकालिक निदेशक

(ठ) "प्रतिभूतियाँ" या "प्रतिभूतियों" से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 2 के खण्ड (ज) में यथा परिभाषित प्रतिभूतियाँ अभिप्रेत हैं ।

(2) इन विनियमों में उपयोग किए गए तथा अपरिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे, यदि कोई हों, जो अधिनियम या प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) या कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) या निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) या उनके अधीन बनाए गए नियमों तथा विनियमों या उनके किसी संशोधन या उनकी पुनः अधिनियमिति द्वारा या के अधीन क्रमशः उनके लिए नियत हैं ।

अध्याय II

सहयुक्त व्यक्तियों का प्रमाणीकरण

3. प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करने की बाध्यता.—(1) बोर्ड राजपत्र में अधिसूचना द्वारा ऐसे प्रवर्गों के सहयुक्त व्यक्तियों से ऐसे वर्गों के मध्यवर्तियों के साथ नियुक्त होने या नियोजित होने के लिए अपेक्षित प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करने की अपेक्षा कर सकेगा और ऐसी तारीख से जैसा अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए :

परन्तु यह कि बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट तारीख के पूर्व मध्यवर्ती द्वारा नियोजित किया गया या नियुक्त किया गया सहयुक्त व्यक्ति मध्यवर्ती द्वारा नियोजित या नियुक्त रह सकेगा यदि वह उक्त तारीख से दो वर्षों के भीतर प्रमाणपत्र अभिप्राप्त कर लेता है ।

(2) बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट तारीख को या के पश्चात् मध्यवर्ती द्वारा नियोजित या नियुक्त किये जाने पर सहयुक्त व्यक्ति मध्यवर्ती द्वारा नियोजित या नियुक्त किये जाने की तारीख से एक वर्ष के भीतर प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा ।

(3) सहयुक्त व्यक्ति जो, बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट तारीख को, बोर्ड द्वारा यथा मान्यताप्राप्त प्रवर्ग के लिए प्रमाणपत्र धारण करता है से यह अपेक्षित नहीं होगा कि वह ऐसे प्रमाणपत्र की विधिमान्यता के दौरान उसी प्रवर्ग के लिए नया प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करे ।

(4) बोर्ड उप-विनियम (1) और (2) के अधीन अधिसूचना जारी करने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित पर विचार करेगा :

(क) क्या सहयुक्त व्यक्ति अपने कार्य या प्रचालन के भाग के रूप में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों), निर्गमकर्ताओं या मध्यवर्तियों के ग्राहकों के साथ व्यवहार करता है या परस्पर संपर्क करता है;

(ख) क्या सहयुक्त व्यक्ति विनिधानकर्ता (निवेशक) या ग्राहकों की आस्तियों या निधियों से व्यवहार करता है;

(ग) क्या सहयुक्त व्यक्ति विनिधानकर्ता (निवेशक) शिकायतों को दूर करने संबंधी कार्य संभालता है;

(घ) क्या सहयुक्त व्यक्ति आंतरिक नियंत्रण या जोखिम प्रबंध के लिए जिम्मेदार है;

(ङ) क्या सहयुक्त व्यक्ति किन्हीं नियमों या विनियमों के अनुपालन के लिए जिम्मेदार है;

(च) क्या सहयुक्त व्यक्ति उन क्रियाकलापों में लगा है जो मध्यवर्ती के प्रचालन-संबंधी जोखिम से संबंधित हों ।

4. प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करने की रीति.—(1) इस विनियम के उपबंधों के अधधीन, सहयुक्त व्यक्ति निम्नलिखित रीतियों में से किसी रीति में प्रमाणपत्र अभिप्राप्त कर सकेगा, अर्थात् :-

(क) अनुमोदित या नियुक्त किसी संगठन या स्वविनियामक संगठन द्वारा संचालित प्रमाणीकरण परीक्षा पास करते हुए जैसा राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए; या

(ख) ऐसे विषयों पर कक्षाओं में हाजिरी के माध्यम से संचित ऐसी संख्या में कक्षाओं में उपस्थितियाँ अभिप्राप्त करते हुए जैसा राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए; या

(ग) सतत् व्यावसायिक शिक्षा के सभी या विनिर्दिष्ट कार्यक्रमों में, ऐसी संख्या में औपचारिक कक्षा सत्रों में वाक्-प्रस्तुति करते हुए जैसा राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए ।

(2) प्रधान-व्यक्ति होते हुए सहयुक्त व्यक्ति उप-विनियम (1) के खण्ड (क) या खण्ड (ख) या खण्ड (ग) में विनिर्दिष्ट रीतियों में से किसी रीति में प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा ।

(3) सहयुक्त व्यक्ति, प्रधान-व्यक्ति से भिन्न, जिसने पचास वर्ष की आयु पूरी कर ली हो या जिसका विनियम 3 के उप-विनियम (1) के अधीन जारी अधिसूचना में विनिर्दिष्ट तारीख को विनियम 3 के उप-विनियम (4) में उल्लिखित क्रियाकलापों में प्रतिभूति बाजारों में कम से कम दस वर्षों का अनुभव हो, उप-विनियम (1) के खंड (क) या खंड (ख) में विनिर्दिष्ट रीति में सुसंगत प्रवर्ग में प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा ।

(4) सहयुक्त व्यक्ति, उप-विनियम (2) या उप-विनियम (3) में उल्लिखित से भिन्न, उप-विनियम (1) के खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट रीति में प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा।

5. प्रमाणपत्र की विधिमान्यता कालावधि.—(1) विनियम 3 के अधीन प्रदान किया गया प्रमाणपत्र, प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने या उसके पुनर्विधिमान्यकरण, यथास्थिति, की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि के लिए विधिमान्य होगा।

(2) सहयुक्त व्यक्ति द्वारा धारित प्रमाणपत्र की विधिमान्यता समाप्त हो जाने पर, प्रमाणपत्र को एक समय में तीन वर्षों की कालावधि के लिए पुनर्विधिमान्य किया जाएगा, परंतु सहयुक्त व्यक्ति इन विनियमों के अध्याय IV के अनुसार राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान द्वारा विनिर्दिष्ट सतत् व्यावसायिक शिक्षा के कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करता हो।

6. सहयुक्त व्यक्ति विधिमान्य प्रमाणपत्र के बिना कतिपय क्रियाकलाप न करना.—विनियम 3 के उप-विनियम (4) के खण्ड (क) से (च) में उल्लिखित क्रियाकलापों में से किसी क्रियाकलाप में लगा हुआ कोई भी सहयुक्त व्यक्ति विनियम 3 के उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2), यथास्थिति, में विनिर्दिष्ट तारीख के पश्चात् इस प्रकार लगा नहीं रहेगा, जब तक कि ऐसा सहयुक्त व्यक्ति विधिमान्य प्रमाणपत्र धारण नहीं करता है।

अध्याय III

राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान की शक्तियाँ और कृत्य

7. राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान की शक्तियाँ और कृत्य.—(1) राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान इन विनियमों के अधीन इसको प्रत्यायोजित कृत्यों या जो बोर्ड द्वारा प्रत्यायोजित किए जाएं का पालन करेगा।

(2) पूर्वागामी उपबंधों और इसके अनुच्छेदों के अधीन राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान के क्रियाकलापों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रतिभूति बाजार में सहयुक्त व्यक्तियों के लिए प्रमाणीकरण की बाबत राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान के कृत्यों में प्रमाणीकरण प्रक्रिया, प्रक्रिया तथा नीतियों को नियोजित करना और कार्यान्वित करना सम्मिलित होगा।

(3) राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान बोर्ड के परामर्श से मानक अधिकथित कर सकेगा जो -

(क) यह विनिर्दिष्ट कर सकेंगे कि सभी ऐसे मानक या ऐसे मानकों का कोई भाग प्रतिभूति बाजार में सभी या किसी वर्ग के मध्यवर्तियों के साथ कार्य कर रहे या से सहयुक्त सभी या किसी प्रवर्ग के सहयुक्त व्यक्तियों के प्रति लागू होगा ;

(ख) यह विनिर्दिष्ट कर सकेंगे कि किसी ऐसे वर्ग में कोई भी सहयुक्त व्यक्ति मध्यवर्ती द्वारा नियोजित या नियुक्त किए जाने के लिए अर्हित नहीं हो सकेंगे अथवा नियोजित

या नियुक्त नहीं रह सकेंगे जब तक कि वह परीक्षा के ऐसे मानकों, सतत् व्यावसायिक शिक्षा की अपेक्षाओं और ऐसी अन्य अर्हताओं का अनुपालन न करता हो जैसा राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान बोर्ड के परामर्श से विनिर्दिष्ट करें।

8. प्रमाणीकरण परीक्षा और सतत् व्यावसायिक शिक्षा के कार्यक्रमों का संचालन.—प्रमाणीकरण परीक्षा और सतत् व्यावसायिक शिक्षा का कार्यक्रम संचालित करने के लिए, राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान :

(1) प्रमाणीकरण परीक्षाओं का प्रबंध करने के लिए किसी संगठन या स्व-विनियामक संगठन को प्रत्यायित, अनुमोदित या नियुक्त कर सकेगा।

(2) सतत् व्यावसायिक शिक्षा के सभी कार्यक्रमों या किसी कार्यक्रम को संचालित करने के लिए किसी संगठन या स्व-विनियामक संगठन को प्रत्यायित, अनुमोदित या नियुक्त कर सकेगा जैसा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए।

(3) प्रमाणीकरण परीक्षाओं के लिए उपस्थित होने वाले या सतत् व्यावसायिक शिक्षा के कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी सहयुक्त व्यक्तियों से ऐसी प्रमाणीकरण परीक्षाओं तथा सतत् व्यावसायिक शिक्षा के कार्यक्रम को संचालित करने में उपगत खर्चों को उठाने के लिए उचित फीस या प्रभार अदा करने की अपेक्षा कर सकेगा।

अध्याय IV

सतत् व्यावसायिक शिक्षा अपेक्षाएँ

9. सहयुक्त व्यक्तियों के लिए सतत् व्यावसायिक शिक्षा अपेक्षाएँ.—(1) राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान प्रमाणपत्र धारण करने वाले सहयुक्त व्यक्तियों हेतु सतत् व्यावसायिक शिक्षा के लिए अपेक्षाओं को विनिर्दिष्ट कर सकेगा और सतत् व्यावसायिक शिक्षा के कार्यक्रमों को अनुमोदित कर सकेगा जो विनियम 8 के अनुसार प्रत्यायित तथा नियुक्त सत्ताओं द्वारा संचालित किए जाएं।

(2) कोई भी मध्यवर्ती किसी सहयुक्त व्यक्ति को बने रहने की अनुज्ञा नहीं देगा और कोई भी सहयुक्त व्यक्ति, सहयुक्त व्यक्ति के रूप में कर्तव्यों का पालन नहीं करता रहेगा जब तक कि ऐसे व्यक्ति ने प्रमाणपत्र अभिप्राप्त किए जाने या उसके पुनर्विधिमान्यकरण की तारीख से 3 वर्षों के भीतर उप-विनियम (1) के अधीन राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान द्वारा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन न कर लिया हो।

(3) उप-विनियम (1) तथा (2) की अपेक्षाएं उन सहयुक्त व्यक्तियों के प्रति लागू होंगी जो विनियम 3 के उप-विनियम (4) के खंड (क) से (च) में उल्लिखित क्रियाकलापों में से किसी क्रियाकलाप में लगे हैं।

10. मध्यवर्ती-सतत् व्यावसायिक शिक्षा में भाग लेने को सुनिश्चित करना.—(1) प्रत्येक मध्यवर्ती यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा कि इसके सहयुक्त व्यक्ति विनियम 9 के

उप-विनियम (1) के अधीन राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान द्वारा अनुमोदित सतत् व्यावसायिक शिक्षा के कार्यक्रम में भाग लेते हैं।

(2) सहयुक्त व्यक्ति मध्यवर्ती द्वारा यथा अपेक्षित सतत् व्यावसायिक शिक्षा के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी समुचित तथा युक्तियुक्त कदम उठाएंगे।

अध्याय V

विविध

11. सहयुक्त व्यक्तियों का प्रमाणीकरण—मध्यवर्तियों के रजिस्ट्रीकरण के लिए पूर्व-शर्त होना.—इन विनियमों के उपबंधों का अनुपालन उन कारकों में से एक होगा जिनका विचार बोर्ड द्वारा सुसंगत विनियमों के अधीन मध्यवर्ती को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने या नवीकृत किए जाने हेतु पात्रता मानदंड को अवधारित करने के प्रयोजन के लिए किया जाना है।

एम. दामोदरन, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/IV/69 जैडबी/2007/असाधारण]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 17th October, 2007

Securities and Exchange Board of India (Certification of Associated Persons in the Securities Markets) Regulations, 2007

F. No. 11/LC/GN/2007/4567.—In exercise of the powers conferred by Section 30 read with Sections 11, 12 and 19 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations, namely :—

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. **Short title and commencement.**—(1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Certification of Associated Persons in the Securities Markets) Regulations, 2007.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.**—(1) In these regulations, unless the context otherwise requires :—

- (a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) "agent" means any person who is engaged in the activity of sale or distribution of securities on behalf of an issuer or a distributor for a commission or any other consideration;
- (c) "associated person" means a principal or

employee of an intermediary or an agent or distributor or other natural person engaged in the securities business and includes an employee of a foreign institutional investor or a foreign venture capital investor working in India;

(d) "Board" means the Securities and Exchange Board of India established under Section 3 of the Act;

(e) "certificate" means the certificate granted by NISM in accordance with these regulations;

(f) "Continuing Professional Education" (CPE) means any course, programme, training programme, activity, conference, seminar that has been accredited or approved by NISM to enhance the knowledge, skills and professional competency of associated persons in the areas of securities, governance and ethics;

(g) "distributor" means any person engaged by an intermediary or an issuer for the purpose of sale or distribution of securities;

(h) "intermediary" means an entity registered under Sections 11 or 12 of the Act and includes any person required to obtain any membership or approval from a stock exchange or a self-regulatory organization;

(i) "issuer" means a company or a mutual fund or a collective investment scheme which has issued or proposes to issue securities to the public in accordance with the relevant regulations or guidelines made by the Board and also includes a venture capital fund registered under the relevant regulations or guidelines made by the Board;

(j) "NISM" means the National Institute of Securities Markets established by the Board;

(k) "principal" means persons who are actively engaged in the management of the intermediary's securities business including supervision, solicitation, conduct of business, and includes:

- (1) Sole Proprietors
- (2) Managing Partners and
- (3) Whole Time Directors

(l) "securities" means securities as defined in clause (h) of Section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956).

(2) Words and expressions used and not defined in these regulations shall have the meanings, if any,

respectively assigned to them by or under the Act or the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) or the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or the Depositories Act, 1996 (22 of 1996) or rules and regulations made thereunder or any amendment thereto or re-enactment thereof.

CHAPTER II

CERTIFICATION OF ASSOCIATED PERSONS

3. Obligation to obtain certificate.—(1) The Board may by notification in the Official Gazette require such categories of associated persons to obtain requisite certificate for engagement or employment with such classes of intermediaries and from such date as may be specified in the notification:

Provided that an associated person employed or engaged by an intermediary prior to the date specified by the Board may continue to be employed or engaged by the intermediary if he obtains the certificate within two years from the said date.

(2) An associated person on being employed or engaged by an intermediary on or after the date specified by the Board shall obtain the certificate within one year from the date of being employed or engaged by the intermediary.

(3) An associated person who, as on the date specified by the Board, holds a certificate for a category as recognized by the Board shall not be required to obtain a fresh certificate for the same category during the validity of such certificate.

(4) The Board for the purpose of issuing notification under sub-regulations (1) and (2) shall take into consideration :

- (a) whether the associated person as part of his work or operation deals or interacts with the investors, issuers or clients of intermediaries;
- (b) whether the associated person deals with assets or funds of investor or clients;
- (c) whether the associated person handles redressal of investor grievances;
- (d) whether the associated person is responsible for internal control or risk management;
- (e) whether the associated person is responsible for compliance of any rules or regulations;
- (f) whether the associated person is engaged in activities that have a bearing on operational risk of the intermediary.

4. Manner of obtaining certificate.—(1) Subject to the provisions of this regulation, an associated person

may obtain the certificate in any of the following manners, namely :—

- (a) by passing a certification examination conducted by any organization or self regulatory organization approved or engaged as may be specified by NISM from time to time; or
- (b) by obtaining such number of classroom credits accumulated through attending classes on such subjects as may be specified by NISM from time to time; or
- (c) by delivering such number of formal classroom sessions in all or specific programmes of continuing professional education as may be specified by NISM from time to time.

(2) An associated person being principal shall obtain the certificate in any of the manners specified in clause (a) or clause (b) or clause (c) of sub-regulation (1).

(3) An associated person, other than a principal, who has attained the age of fifty years or who has at least ten years experience in the securities markets in the activities mentioned in sub-regulation (4) of regulation 3 on the date specified in the notification issued under sub-regulation (1) of regulation 3, shall obtain the certificate in the relevant category in the manner specified in clause (a) or clause (b) of sub-regulation (1).

(4) An associated person other than those mentioned in sub-regulation (2) or sub-regulation (3) shall obtain the certificate in the manner specified in clause (a) of sub-regulation (1).

5. Validity period of certificate.—(1) The certificate granted under regulation 3 shall be valid for a period of three years from the date of the grant of the certificate or revalidation thereof as the case may be.

(2) Upon expiry of the validity of certificate possessed by an associated person, the certificate shall be revalidated for a period of three years at a time, provided the associated person successfully completes a programme of continuing professional education specified by NISM in accordance with Chapter IV of these regulations.

6. Associated person not to undertake certain activities without a valid certificate.—No associated person engaged in any of the activities mentioned in clauses (a) to (f) of sub-regulation (4) of regulation 3 shall continue to be so engaged after the date specified in sub regulation (1) or sub-regulation (2) of regulation 3, as the case may be, unless such associated person holds a valid certificate.

CHAPTER III

POWERS AND FUNCTIONS OF NISM

7. Powers and functions of NISM.—(1) NISM would perform the functions delegated to it under these regulations or as may be delegated by the Board.

4255 GI/07-2

(2) Without prejudice to the generality of the foregoing provisions and the activities of NISM under its articles, the functions of NISM in respect of certification for associated persons in the securities market shall include putting in place and implementing the certification process, procedure and policies.

(3) NISM in consultation with the Board may lay down standards which may—

- (a) specify that all or any portion of such standards shall be applicable to all or any category of associated persons working or associated with all or any class of intermediaries in securities market;
- (b) specify that no associated person in any such class may be qualified to be employed or engaged or continued to be employed or engaged by an intermediary unless he is in compliance with such standards of examination, continuing professional education requirements and such other qualifications as NISM in consultation with the Board may specify.

8. Conduct of certification examination and programmes of continuing professional education.—For conducting certification examination and programme of continuing professional education, NISM may:

(1) accredit, approve or engage any organization or self regulatory organization to administer certification examinations.

(2) accredit, approve or engage any organization or self regulatory organization to conduct all or any programme of continuing professional education as may be specified from time to time.

(3) require all associated persons appearing for certification examinations or undergoing programme of continuing professional education to pay reasonable fees or charges to defray the costs incurred in conducting such certification examinations and programmes of continuing professional education.

CHAPTER IV

CONTINUING PROFESSIONAL EDUCATION REQUIREMENTS

9. Continuing Professional Education requirements for associated persons.—(1) NISM may specify the requirements for continuing professional education (CPE) for associated persons holding certificate and approve the programmes of CPE that may be conducted by entities accredited and engaged in accordance with regulation 8.

(2) No intermediary shall permit any associated person to continue and no associated person shall continue to perform duties as an associated person unless such person has complied with the requirements specified by NISM under sub-regulation (1) within 3 years from the date of obtaining the certificate or revalidation thereof.

(3) The requirements of sub-regulations (1) and (2) shall apply to associated persons who are engaged in any of the activities mentioned in clauses (a) to (f) of sub-regulation (4) of regulation 3.

10. Intermediary to ensure participation in continuing professional education.—(1) Each intermediary shall be responsible to ensure that its associated persons participate in a programme of continuing professional education approved by NISM under sub-regulation (1) of regulation 9.

(2) Associated persons shall take all appropriate and reasonable steps to participate in a programme of continuing professional education as required by the intermediary.

CHAPTER V

MISCELLANEOUS

11. Certification of associated persons to be pre-condition for registration of intermediaries.—Compliance with the provisions of these regulations shall be one of the factors to be taken into consideration by the Board for the purpose of determining eligibility criteria for grant or renewal of certificate of registration to an intermediary under the relevant regulations.

M. DAMODARAN, Chairman
[ADVT III/TV/69 ZB/2007/Ext.]